जागरण सिटी

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2006

चित्रों में समरसता

चित्रकार संगीता के साथ देबू चौधरी

संरचना में समरसता : कॉन्कॉर्डेंसेस शृंखला का एक चित्र

सामाजिक समरसता को विषय बनाकर संगीता गुप्ता ने कैनवास पर बखूबी भरे कल्पना के रंग...

महत्वपूर्ण चित्र शृंखला 'कॉन्कॉर्डेंसेस' महाकाव्य की तरह है, जिसकी थीम एक-दूसरे से जुड़ी है। चित्रों में मौजूद लय समाज में मेलजोल बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। कलाकृतियां तैयार की हैं चित्रकार संगीता गुप्ता ने। पिछले दिनों 'कुमार गैलरी' में आयोजित प्रदर्शनी में संगीता के 29 चित्र डिस्प्ले किए गए। चित्रों में एक ही थीम थी— 'हॉरमनि'। हालांकि सभी चित्र अमूर्त शैली में थे, फिर भी दर्शक चित्रों के रंग-संयोजन और टेक्स्चर से प्रभावित दिखे। एक्रेलिक ऑन कैनवास पर तैयार चित्र 'कॉन्कॉर्डेंसेस-10' देखकर रूस से आईं लरिसा बोलीं, 'पेंटिंग में अध्यात्म का गहराई के साथ आहसास होता है।' कलाकार संगीता कहती हैं, 'मैंने 'हॉरमनि' थीम के तहत चित्र-शृंखला 'कॉन्कॉर्डेंसेस' बनाई है, जिसमें ग्रीन और ब्राउन कलर का इस्तेमाल एक साथ किया है, जो आमतौर पर कम ही देखने को मिलता है।'

15 फीट लंबे व साढ़े छह फीट चौड़े एब्स्ट्रैक्ट चित्र 'कॉन्कॉर्डेंसेस-8' में पर्पल कलर का प्रयोग जल-तरंग जैसा अहसास पैदा करता है, जिसकी कीमत दस लाख रुपए है। चर्चित सितार वादक पंडित देबू चौधरी, कला समीक्षक सुनीत चोपड़ा व केशव मलिक, चित्रकार सुब्रतो कुंडु गोपी गजवानी, इल्यूश अहलूवालिया, आरती और नासिर के अलावा, फ्रांस, नेपाल, रूस आदि देशों के कलाप्रेमियों ने भी संगीता की कला को सराहा। डिस्प्ले किए गए चित्रों की कीमत 80 हजार से 10 लाख रुपए के बीच थी।

राम नयन

फोटो : परवीन सिंह मेगी

लयात्मकता : पेंटिंग देखने के बाद आपस में बातचीत करते नासिर, आरती व इल्यूश अहलूवालिया